03325

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-20

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. मराठी दलित कविता की वैचारिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालिये। [10]

2. 'आज का एकलव्य' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिये। [10]

3. 'अस्पृश्य बसंत' उपन्यास में अभिव्यक्त जातीय यातना का विश्लेषण कीजिये। [10]

4. 'मशालची' में निहित दलित जीवन की स्थिति पर विचार कीजिये। [10]

5. बाबूराव बागूल की कहानी 'जब मैंने जाति छुपाई' की त्रासदी का विश्लेषण कीजिये। [10]

6. गुजराती दलित साहित्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिये। [10]

7. 'जीवन हमारा' आत्मकथा में अभिव्यक्त दलित मुक्ति की समस्या पर विचार कीजिये। [10]

8. 'अक्करमाशी' आत्मकथा में अभिव्यक्त दलित जीवन की चर्चा कीजिये। [10]

9. किसी दलित स्त्री की आत्मकथा में चित्रित त्रासद स्थितियों का वर्णन कीजिये। [10]

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये : [2x5=10]

(क) बाबूराव बागूल

(ख) 'बिच्छू' की मूल संवेदना

(ग) 'कवच' कहानी में दलित स्त्री चेतना

(घ) 'माँ' कविता में दलित का संघर्ष

-----x-----